Model of Communication

संचार के प्रतिरूप या मॉडल

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MMHAPU
MJMC/SEM 1/Paper 101
Date- 22/06/2021

प्रतिरूप का अर्थ

- संचार के सम्बंध में विभिन्न समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों आदि विशेषज्ञों ने अलग–अलग रूपों में मॉडल अथवा प्रतिरूप को प्रस्तुत किए हैं। अनेक मॉडल ऐसे हैं जो मानव सम्प्रेषण का प्रतिनिधित्व करने का प्रयास करते हैं। इसमें कुछ सरल हैं और कुछ जटिल।

प्रतिरूप का अर्थ

- संचार के अध्ययन में विभिन्न मॉडलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मॉडल का अर्थ है किसी वास्तविकता को छोटे स्वरूप में बनाकर पेश करना। जैसे कि किसी मकान का नक्शा, प्रोजेक्ट का नक्शा, ग्लोब आदि। इसमें किसी चीज की संरचना और स्वरूप को बेहद छोटे रूप में बनाकर प्रस्तुत किया जाता है।

परिभाषा

- **ड्यूस्क (Deutsch)** ने वर्ष 1952 में संचार के प्रतिरूप को परिभाषित करते हुए लिखा कि–

" प्रतिरूप प्रतीकों एवं नियमों को क्रियान्वित करने वाली एक संरचना है जो कि एक अस्तित्व संरचना या प्रक्रिया में समान गुणों वाले बिन्दुओं के संग्रह को प्रासंगिक रूप से प्रस्तुत करने वाली संकल्पना है।" (A structure of symbols and operating rules which is supposed to match a set of relevant point in an existing of Process.)

- ‘‘प्रतिरूप वास्तविक शब्दों का सैद्धांतिक एवं स्पष्ट करने वाला प्रतिनिधित्व करने वाले की भांति है।‘‘(Model is a theoretical and simplified representation of the world.)
- A model can be defined as a visual presentation that identifies, classifies and decribes various parts of a communication process.

- संचार का मॉडल एक वैचारिक मॉडल है जो व्यापक रूप से उस प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है जो यह समझने में मदद करता है कि संचार कैसे काम करता है।
- Communication model are conceptual model which is widely used to represent the process which helps understanding how communication works.

- Model visualise the process of communication.

- प्रतिरूप अथवा मॉडल मात्र एक व्याख्यात्मक कल्पना नहीं है बल्कि यह सिद्धांत के निर्माण में भी सहयोग करता है। संचार के प्रतिरूप और सिद्धांत में एक घनिष्ठ सम्बंध होता है।

- समझने की प्रक्रिया में प्रतिरूप सहायक होता है। प्रतिरूप तथ्यों एवं आंकड़ों को एकत्रित करके व्यवस्थित रूप में सजाता या संगठित करता है। किस तत्व को कहां, किस रूप में रखना है? इनके आपसी सम्बंधों का यह निर्धारण करता है

- प्रतिरूप के द्वारा नए तथ्यों की खोज करने में सहायता मिलती है। यह अन्वेषण करने में भी उपयोगी होता है।
- प्रतिरूप से भविष्य की सम्भावित परिस्थितियों का अनुमान भी लगाया जाता है।

- कुछ मॉडल दूसरों की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। इस प्रकार के मॉडल में विषय की प्रक्रिया का प्रारंभ से अंत का प्रस्तुतिकरण किया जाता है। इसमें विषय की योजना, प्रक्रिया, कार्य, उपयोग, दिशा, सम्बंध, प्रभाव, सम्भावित परिणाम आदि का स्थान दिया जाता है।

धन्यवाद